भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
29.07.2026 के
अतारांकित प्रश्न सं. 1714 का उत्तर

बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़ और दिल्ली/एनसीआर में रेलवे के बुनियादी ढांचे का आधुनिकीकरण

1714. श्री काली चरण सिंह:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विगत एक वर्ष के दौरान अमृत भारत स्टेशन योजना (एबीबीएस) के अंतर्गत स्वीकृत, पुनर्विकास हेतु शामिल किए गए, पूर्ण किए गए और उद्घाटन किए गए स्टेशनों की राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार तथा स्टेशन-वार संख्या सहित प्रगति का ब्यौरा क्या है;

(ख) बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़ और दिल्ली/एनसीआर में अनुमानित लागत, आवंटित और उपयोग की गई धनराशि, भौतिक और वित्तीय प्रगति, वर्तमान स्थिति तथा पूरा होने की संभावित तिथि सहित स्टेशन-वार परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है;

(ग) सरकार द्वारा आधुनिक यात्री सुविधाएं, दिव्यांगजनों के लिए सार्वभौमिक सुगमता, डिजिटल सूचना प्रणाली, वाई-फाई, लिफ्ट, एस्केलेटर, सुधारे गए प्रतीक्षालय, पार्किंग, बहु-विध एकीकरण, हरित भवन विशेषताएं और नवीकरणीय ऊर्जा सुविधाएं प्रदान करने के लिए क्या उपाय किए गए हैं/किए जा रहे हैं;

(घ) क्या सरकार ने यात्री सुविधा, पर्यटन, क्षेत्रीय संपर्कता, रोजगार और स्थानीय आर्थिक विकास पर उक्त योजना के प्रभाव का आकलन किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) उक्त राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों में पूर्ण हो चुके, निष्पादित किए जा रहे और प्रस्तावित कार्यों का स्टेशन-वार ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): रेल मंत्रालय ने दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना की शुरुआत की है।

इस योजना में भारतीय रेल के स्टेशनों को बेहतर बनाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और उनका चरणबद्ध रूप में कार्यान्वयन करना शामिल है। प्रत्येक स्टेशन की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए मास्टर प्लान तैयार करने निम्नानुसार शामिल हैं:

- **स्टेशन और परिचलन क्षेत्रों तक पहुंच में सुधार**
- **शहर के दोनों किनारों के साथ स्टेशन का एकीकरण**
- **स्टेशन भवन का सुधार**
- **प्रतीक्षालयों, शौचालयों, बैठने की व्यवस्था, पानी के बूथों में सुधार कार्य**
- **यात्री यातायात के अनुरूप चौड़े ऊपरी पैदल पुल/सबवे का प्रावधान**
- **लिफ्टों/एस्केलेटरों/रैंप का प्रावधान**
- **प्लेटफॉर्म सतह का सुधार कार्य और प्लेटफॉर्म शेल्टर का प्रावधान**
- **'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क का प्रावधान**
- **पार्किंग क्षेत्र**
- **दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं**
- **बेहतर यात्री सूचना प्रणाली**
- **एयर कॉनकोर्स, एग्जीक्यूटिव लाउंज, मल्टीमोडाल एकीकरण, भूसुदर्शनीकरण आदि का प्रावधान।**

इस योजना में आवश्यकतानुसार, चरणबद्धता एवं व्यवहार्यता के अनुसार संवहनीय और पर्यावरण अनुकूल समाधान और दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेन्टरों के निर्माण की भी परिकल्पना की गई है।

अभी तक अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकसित करने हेतु 1,340 स्टेशनों को चिहनित किया गया है, जिनमें से 98 स्टेशन बिहार में, 57 स्टेशन झारखंड में, 32 स्टेशन छत्तीसगढ़ में

और 13 स्टेशन दिल्ली में स्थित हैं। बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़ और दिल्ली में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकसित करने हेतु चिह्नित किए गए स्टेशनों के नाम निम्नानुसार हैं:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
बिहार	98	अनुग्रह नारायण रोड, आरा, अररिया कोर्ट, बख्तियारपुर, बांका, बनमनखी, बापूधाम मोतिहारी, बरहिया, बरौनी, बरसोई जं, बेगूसराय, बेतिया, भभुआ रोड, भागलपुर, भगवानपुर, बिहार शरीफ, बिहिया, बिक्रमगंज, बक्सर, चकिया, चौसा, छपरा, दलसिंह सराय, दरभंगा, दौरम मधेपुरा, देहरी ऑन सोन, ढोली, दिघवारा, डुमरांव, दुर्गावती, एकमा, फतुहा, गया, घोड़ासहन, गुरारू, हाजीपुर जं., जमालपुर, जमुई, जनकपुर रोड, जयनगर, जेहानाबाद, झांझरपुर, कहलगांव, करहागोला रोड, कटिहार, खगड़िया जं., किशनगंज, कुदरा, लाभा, लहेरिया सराय, लखमिनिया, लखीसराय, मधुबनी, महेशखुंट, मैरवा, मानसी जं., मशरख, मोकामा, मोतीपुर, मुंगेर, मुजफ्फरपुर, नबीनगर रोड, नरकटियागंज, नौगछिया, नवादा, पहाड़पुर, पाटलीपुत्र, पटना, पीरो, पीरपैंती, रफीगंज, रघुनाथपुर, राजेन्द्र नगर, राजगीर, राम दयालु नगर, रक्सौल, सबौर, सगौली, सहरसा, साहिबपुर कमाल, सकरी, सलौना, सलमारी, समस्तीपुर, सासाराम, शाहपुर पटोरी,

		शिवनारायणपुर, सिमरी बख्तियारपुर, सिमुलतला, सीतामढ़ी, सीवान, सोनपुर जं, सुल्तानगंज, सुपौल, तारेगना, ठाकुरगंज, थावे
झारखंड	57	बालसिरिंग, बानो, बरजामदा जं, बरकाकाना, बासुकीनाथ, भागा, बोकारो स्टील सिटी, चाईबासा, चक्रधरपुर, चांडिल, चंद्रपुरा, डाल्टनगंज, डांगोपोसी, देवघर, धनबाद, दुमका गोड्डा, गोबिंदपुर रोड, गढ़वा रोड, गढ़वा टाउन, घाटशिला, गिरिडीह, गोड्डा, धनबाद, दुमका, गम्हरिया, गंगाघाट, गढ़वा रोड, गढ़वा टाउन, घाटशिला, गिरिडीह, गोड्डा, गोबिंदपुर रोड, हैदरनगर, हटिया, हजारीबाग रोड, जामताड़ा, जापला, जसीडीह जं, कटरासगढ़, कोडरमा जं, कुमारडुबी, लातेहार, लोहरदगा, मधुपुर जं, मनोहरपुर, मोहम्मदगंज, मुरी जं, एन.एस.सी.बी. जं., गोमोह, नगर उंटारी, नामकोम, ओर्गा, पाकुड़, पारसनाथ, पिस्का, राजखरसवां, राजमहल, रामगढ़ कैंट, रांची जंक्शन, साहिबगंज, शंकरपुर, सिल्ली, सिनी, टाटानगर, टाटीसिलवे, विद्यासागर
छत्तीसगढ़	32	अकलतरा, अंबिकापुर, बैकुंठपुर रोड, बालोद, बाराद्वार, बेल्हा, भानुप्रतापपुर, भाटापारा, भिलाई, भिलाई नगर, भिलाई पावर हाउस, बिलासपुर, चांपा, दल्लीराझरा, डोंगरगढ़, दुर्ग, हथबंध, जगदलपुर, जांजगीर नैला, कोरबा, महासमुंद, मंदिर हसौद, मारौदा, निपानिया,

		पेंड्रा रोड, रायगढ़, रायपुर जंक्शन, राज नंदगांव, सारोना, तिल्दा-नेवरा, उरकुरा, उसलापुर
दिल्ली	13	आदर्श नगर दिल्ली, आनंद विहार, बिजवासन, दिल्ली, दिल्ली कैंट, दिल्ली सफदरजंग, दिल्ली सराय रोहिल्ला, दिल्ली हजरत निजामुद्दीन, नरेला, नई दिल्ली, सब्जी मंडी, तिलक ब्रिज

<u>स्टेशन जहां कार्य पूरे किए गए हैं:</u>

बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़ और दिल्ली राज्यों में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत रेलवे स्टेशनों पर विकास कार्य तेज गति से किए जा रहे हैं। बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़ और दिल्ली में कार्य संपन्न स्टेशनों का ब्यौरा निम्नानुसार है:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
बिहार	8	बनमनखी, दौरम मधेपुरा, कहलगांव, पीरपैंती, सबौर, शिवनारायणपुर, सिमुलतला, थावे
झारखंड	15	चाईबासा, चांडिल, गिरिडीह, गोड्डा, गोविंदपुर रोड, कटरासगढ़, लोहरदगा, मधुपुर जंक्शन, मुरी जंक्शन, पाकुड़, पिस्का, राजमहल, रामगढ़ छावनी, साहिबगंज, शंकरपुर
छत्तीसगढ़	10	अंबिकापुर, बालोद, भानुप्रतापपुर, भिलाई, चाँपा, दल्लीराझरा डोंगरगढ़, राजनांदगांव, सरोना, उरकुरा

अन्य स्टेशनों पर विकास संबंधी कार्यकलाप भी तेज गति से शुरू किए गए हैं और कुछ स्टेशनों पर कार्यों की प्रगति नीचे दी गई है:

<u>बिहार:</u>

- **गया स्टेशन: दूसरे नए प्रवेश आगमन भवन का कार्य पूरा कर लिया गया है। द्वितीय नए प्रवेश प्रस्थान भवन, मुख्य प्रवेश द्वार नए आगमन और प्रस्थान भवन, नया प्लेटफॉर्म संख्या 8, नए प्लेटफॉर्म शेल्टर, एयर कॉनकोर्स और परिचलन क्षेत्र के सुधार के कार्य किए गए हैं।**

- **लखीसराय जंक्शन स्टेशन: नए मुख्य प्रवेश स्टेशन भवन का कार्य, ऊपरी पैदल पुल का विस्तार और परिचलन क्षेत्र में सुधार कार्य पूरा कर लिया गया है। मौजूदा ऊपरी पैदल पुल के लिए लिफ्ट की संस्थापना का कार्य शुरू कर दिया गया है।**

- **फतुहा स्टेशन: प्लेटफॉर्म संख्या 6 का विस्तार, दूसरे प्रवेश द्वार परिचलन क्षेत्र और पहुंच मार्ग के सुधार के कार्य पूरे किए जा चुके हैं। नए स्टेशन भवन, लिफ्टों और एस्केलेटरों के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।**

- **अनुग्रह नारायण रोड स्टेशन: प्लेटफॉर्म संख्या 1/2 और 3/4 का विस्तार और सतह संबंधी कार्य और नए शौचालय ब्लॉक के कार्य पूरे किए जा चुके हैं। स्टेशन भवन में सुधार, परिचलन क्षेत्र में सुधार कार्य, प्रवेश/निकास द्वार, नए पानी बूथ, प्लेटफॉर्म शेल्टर और नए 6 मीटर चौड़े ऊपरी पैदल पुल के कार्य शुरू किए गए हैं।**

- **डेहरी ऑन सोन जंक्शन स्टेशन: नए बुकिंग कार्यालय, लिफ्टों के साथ नए ऊपरी पैदल पुल के कार्य, परिचलन क्षेत्र में सुधार कार्य, नए शौचालय ब्लॉक, नए पानी के बूथ और नए प्लेटफॉर्म शेल्टर के कार्य शुरू किए गए हैं।**

<u>झारखंड:</u>

- **रांची जं. स्टेशन: दूसरे प्रवेश द्वार पर नए स्टेशन भवन का कार्य, नया प्लेटफॉर्म संख्या 6 और विस्तारित 6 मीटर चौड़े ऊपरी पैदल पुल का संरचना संबंधी कार्य पूरा किया जा चुका है। दूसरे प्रवेश द्वार पर नए स्टेशन भवन का फिनिशिंग कार्य और 6 मीटर चौड़े ऊपरी पैदल पुल का विस्तार, प्रवेश द्वार प्रांगण का कार्य, नए प्लेटफॉर्म संख्या 6 पर नए प्लेटफॉर्म शेल्टर, परिचलन क्षेत्र में सुधार और दूसरे प्रवेश द्वार पर पार्किंग, नया 6 मीटर चौड़ा ऊपरी पैदल पुल, भूमिगत पानी का टैंक और अपशिष्ट उपचार संयंत्र के कार्य शुरू किए गए हैं।**

- **जपला स्टेशन: स्टेशन भवन का सुधार कार्य, परिचलन क्षेत्र और चाहरदीवारी के सुधार का कार्य पूरा कर लिया गया है। नए प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर, नए शौचालय ब्लॉक, अतिरिक्त पानी के बूथ और नए ऊपरी पैदल पुल के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।**

- **डाल्टनगंज स्टेशन: प्लेटफॉर्म संख्या 1, 2 और 3 की ऊंचाई बढ़ाने और सतह संबंधी कार्य, स्टेशन भवन में सुधार, परिचलन क्षेत्र में सुधार, पार्किंग, पहुंच मार्ग, नई चाहरदीवारी, शौचालय ब्लॉक का कार्य पूरा किया जा चुका है। प्रवेश द्वार, नया प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर और 12 मीटर लंबे ऊपरी पैदल पुल के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।**

- **नागर उंटारी स्टेशन: परिचलन क्षेत्र, पार्किंग, पहुंच मार्ग और नए प्लेटफॉर्म शेल्टर का सुधार का कार्य पूरा किया जा चुका है। स्टेशन भवन का सुधार कार्य, प्लेटफॉर्म की सतह संबंधी सुधार कार्य और 12 मीटर ऊपरी पैदल पुल के कार्य शुरू किए गए हैं।**

- **लातेहार स्टेशन: स्टेशन भवन का सुधार कार्य, परिचलन क्षेत्र का सुधार कार्य, पार्किंग, पहुंच मार्ग, नई चाहरदीवारी, प्रांगण, नया प्रतीक्षालय, शौचालय ब्लॉक, प्लेटफॉर्म की**

सतह संबंधी सुधार का कार्य पूरा किया जा चुका है। 12 मीटर ऊपरी पैदल पुल और नए प्लेटफॉर्म शेल्टर के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

<u>छत्तीसगढ़ः</u>

- बिलासपुर स्टेशन: नई पूर्वोत्तर दिशा की स्टेशन इमारत और नई दक्षिण-पश्चिम दिशा की स्टेशन इमारत का नींव संबंधी निर्माण-कार्य पूरा हो चुका है। नई पूर्वोत्तर दिशा की स्टेशन इमारत, नई दक्षिण-पश्चिम दिशा की स्टेशन इमारत, आवासीय क्वार्टर, सबस्टेशन इमारत और सेवा इमारतों की अधिसंरचना का कार्य शुरू कर दिया गया है।

- अकलतारा स्टेशन: स्टेशन भवन का सुधार कार्य, परिचलन क्षेत्र, पार्किंग, प्रतीक्षालय, बुकिंग काउंटर, प्लेटफॉर्म शेल्टर, नए शौचालय, लैंडस्केपिंग का सुधार, सीसीटीवी और साइनेज के संस्थापन का कार्य पूरा हो गया है। 12 मीटर चौड़े पैदल पार पुल का कार्य शुरू कर दिया गया है।

- कोरबा स्टेशन: स्टेशन भवन, प्रतीक्षालय, बुकिंग काउंटर का सुधार कार्य, परिचलन क्षेत्र, पार्किंग, प्लेटफॉर्म शेल्टर, लैंडस्केपिंग का सुधार, सीसीटीवी और साइनेज के संस्थापन का कार्य पूरा हो गया है। 12 मीटर चौड़े पैदल पार पुल का कार्य शुरू कर दिया गया है।

- जगदलपुर स्टेशन: नए स्टेशन भवन, 12 मीटर चौड़े पैदल पार पुल का निर्माण-कार्य, प्लेटफॉर्म की सतह के सुधार, परिचलन क्षेत्र, शौचालय, प्लेटफॉर्म शेल्टर और प्रतीक्षालय में सुधार का कार्य पूरा हो गया है। लिफ्ट, साइनेज का निर्माण-कार्य और सवारी डिब्बा संकेतक बोर्ड की संस्थापना का कार्य शुरू कर दिया गया है।

- **महासुमंद स्टेशन: नए स्टेशन भवन का संरचना संबंधी कार्य, प्लेटफॉर्म की सतह में सुधार और प्लेटफॉर्म शेल्टर का कार्य पूरा हो चुका है। नए स्टेशन भवन का फिनिशिंग कार्य, परिचलन क्षेत्र में सुधार और 12 मीटर चौड़े पैदल पार पुल का कार्य शुरू कर दिया गया है।**

<u>दिल्ली:</u>

- **बिजवासन स्टेशन: स्टेशन भवन, एयर कॉनकोर्स, इलेक्ट्रिकल सब-स्टेशन और जल शोधन संयंत्र का संरचना संबंधी कार्य पूरा किया जा चुका है। प्लेटफॉर्म शेल्टरों, अपशिष्ट शोधन संयंत्र, वर्षा जल संचयन, लिफ्ट, एस्केलेटर, प्रतीक्षालय, एयर-कॉनकोर्स की सतह का कार्य और स्टेशन भवन के फिनिशिंग कार्य शुरू कर दिए गए हैं।**

- **सफदरजंग स्टेशन: स्टेशन भवन, एयर कॉनकोर्स और कार्यालय भवन के संरचना संबंधी कार्य पूरे किए जा चुके हैं। ऊपरी पैदल पुल का कार्य, कार्यालय भवन का कार्य और स्टेशन भवन का विद्युत संबंधी कार्य शुरू कर दिया गया है।**

- **दिल्ली छावनी स्टेशन: पूर्व की ओर स्टेशन भवन का कार्य, स्टेशन के चारों ओर एलिवेटेड रोड, बहु-स्तरीय कार पार्किंग (भूतल+5), प्रस्थान कॉनकोर्स, उत्तर और दक्षिण की ओर आगमन ब्लॉक, प्लेटफॉर्म का नवीकरण और ओवरहेड पानी की टंकी का कार्य शुरू कर दिया गया है।**

- **नई दिल्ली स्टेशन: भीड़भाड़ प्रबंधन और यात्री सुविधाओं को स्थानांतरित करने के लिए अजमेरी गेट की ओर होल्डिंग क्षेत्र का कार्य पूरा कर लिया गया है। आसफ अली रोड और बसंत रोड के साथ एलिवेटेड रोड नेटवर्क के कार्य, पहाड़गंज की ओर दोहरे बेसमेंट, वृक्षारोपण, प्रतिपूरक वृक्षारोपण और चेम्सफोर्ड रोड पर सीवर बैरल के डायवर्जन का कार्य शुरु किया गया है।**

- **सब्जी मंडी स्टेशन: नए स्टेशन भवन का निर्माण कार्य, 12 मीटर चौड़ा ऊपरी पैदल पुल, प्लेटफॉर्म शेल्टर, प्लेटफॉर्म सतह का सुधार, शौचालय, दिव्यांगजनों के लिए पार्किंग सुविधाओं में सुधार, परिचलन क्षेत्र और लिफ्टों में सुधार के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।**

रेलवे स्टेशनों का विकास/उन्नयन जटिल प्रकति का कार्य है जिसमें यात्रियों और रेलगाड़ियों की संरक्षा शामिल होती है और इसके लिए पेड़ों की कटाई, धरोहर, दमकल विभाग की स्वीकृति, विमानपत्तन संबंधी स्वीकृति इत्यादि जैसी विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियों की आवश्यकता होती है। ये स्टेशन काफी समय से परिचालन में हैं, इसलिए जनोपयोगी सुविधाओं (जिनमें जल/सीवेज लाइन, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइप लाइन, पावर/सिगनल केबल इत्यादि शामिल हैं) अतिलंघनकारी सुविधाओं को स्थानांतरित करने, यात्री संचलन को बाधित किए बिना रेलगाड़ियों के परिचालन, रेलपथ एवं उच्च वोल्टेज बिजली लाइनों के निकट किए जाने वाले कार्यों के कारण गति प्रतिबंध आदि जैसी ब्राउनफील्ड कार्य संबंधी चुनौतियां सामने आ रही हैं और ये कारक कार्य की प्रगति और कार्य के समापन समय को प्रभावित करते हैं।

भारतीय रेल भारत सरकार के "सुगम्य भारत मिशन" या 'सुगम्य भारत अभियान' के तहत दिव्यांगजनों और सीमित गतिशीलता वाले यात्रियों के लिए अपने रेलवे स्टेशनों को सुगम्य बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 के अनुपालन में, भारत के राजपत्र में "दिव्यांगजनों और सीमित गतिशीलता वाले यात्रियों के लिए भारतीय रेल के रेलवे स्टेशनों की सुगम्यता और सुविधाओं संबंधी दिशानिर्देश" परिपत्रित और भारत के राजपत्र अधिसूचित किए गए हैं। इन दिशानिर्देशों में दिव्यांगजनों और सीमित गतिशीलता वाले यात्रियों के लिए सुविधाओं जैसे प्रवेश रैम्प, सुगम्य पार्किंग, कम ऊंचाई वाली टिकट खिड़की/सहायता बूथ, शौचालय, पेयजल बूथ, रैम्प/लिफ्टों के साथ भूमिगत पैदल पारपथ/ऊपरी पैदल पुल, ब्रेल संकेतकों सहित मानक प्रदर्श-व्यवस्था और दृष्टि बाधित लोगों के लिए स्पर्शनीय पथ आदि का प्रावधान किया गया है जो चरणबद्ध रूप से और व्यवहार्य सिद्धांतों के आधार पर प्रदान किए जा रहे हैं।

इसके अलावा, भारतीय रेल में दिव्यांगजनों हेतु सुविधाओं, लिफ्ट, एस्केलेटर, प्रतीक्षालय, पार्किंग आदि जैसी यात्री सुविधाओं की व्यवस्था सहित स्टेशनों का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण एक सतत् और निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है तथा इस संबंध में कार्यों को पारस्परिक प्राथमिकता और निधियों की उपलब्धता के अध्यधीन, आवश्यकतानुसार किया जाता है। किसी स्टेशन के विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण कार्य स्टेशन की कोटि/स्थिति/यातायात प्रबंधन आदि के आधार पर किए जाते हैं।

सामान्यतः अमृत भारत स्टेशन योजना सहित अन्य योजनाओं के अंतर्गत रेलवे स्टेशनों के विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण का वित्तपोषण योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएँ' के अंतर्गत किया जाता है। योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत आबंटन और व्यय का ब्यौरा क्षेत्रीय रेल-वार रखा जाता है, न कि रेलवे स्टेशन-वार या राज्य-वार।

बिहार राज्य चार रेलवे जोन अर्थात् पूर्व रेलवे, पूर्व मध्य रेलवे, पूर्वोत्तर रेलवे और पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के अधिकार क्षेत्र में आता है। इन क्षेत्रीय रेलों के लिए, वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 1,543 करोड़ रुपए का आवंटन किया गया है, जिसमें से अभी तक (जून, 2026 तक) 677 करोड़ रु. का व्यय उपगत किया गया है।

झारखंड राज्य तीन रेलवे जोन अर्थात्, पूर्व मध्य रेलवे, पूर्व रेलवे और दक्षिण पूर्व रेलवे के अधिकार क्षेत्र में आता है। इन क्षेत्रीय रेलों के लिए, वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 1,199 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है, जिसमें से अभी तक (जून, 2026 तक) 526 करोड़ रुपये का व्यय उपगत किया गया है।

छत्तीसगढ़ राज्य दो क्षेत्रीय रेलों अर्थात् दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे और पूर्व तट रेलवे के क्षेत्राधिकार में आता है। इन क्षेत्रीय रेलों के लिए वित्तीय वर्ष 2026-27 हेतु 1,132 करोड़ रुपए का आबंटन

किया गया है, जिसमें से अब तक (जून, 2026 तक) 486 करोड़ रुपए का व्यय उपगत किया गया है।

दिल्ली उत्तर रेलवे के अधिकार क्षेत्र में आती है। इस जोन के लिए, वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 2,078 करोड़ रु. का आवंटन किया गया है, जिसमें से अब तक (जून, 2026 तक) 452 करोड़ रु. का व्यय उपगत किया गया है।

अमृत भारत स्टेशन योजना में स्टेशनों पर विभिन्न यात्री सुविधाओं में सुधार की भी परिकल्पना की गई है जिससे यात्रियों की सुविधा में बढ़ोतरी होती है। इसके अलावा, स्टेशनों को सिटी सेंटरों के रूप में विकसित करने से बेहतर यात्रा अनुभव के अलावा स्टेशनों पर और उसके आसपास आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि की परिकल्पना की गई है। इसके अलावा, रेलवे स्टेशनों के विकास/उन्नयन का आसपास के क्षेत्रों में पर्यटन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

<u>रोजगारः</u>

भारतीय रेल में वर्ष 2004-05 से 2013-14 की तुलना में 2014-15 से 2025-26 के दौरान की गई भर्ती निम्नानुसार है:-

अवधि	भर्ती
2004-2005 से 2013-2014	4.11 लाख
2014-2015 से 2026-2027 (30.06.2026 तक)	5.56 लाख

भारतीय रेल के आकार, स्थानिक वितरण और परिचालन महत्व को ध्यान में रखते हुए पदों का रिक्त होना और उन्हें भरा जाना एक सतत् प्रक्रिया है। नियमित परिचालन, प्रौद्योगिकीय परिवर्तनों, यंत्रीकरण और नवोन्मेषी पद्धतियों की आवश्यकता को पूरा करने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त जनशक्ति मुहैया कराई जाती है। इन रिक्तियों को मुख्यतः परिचालनिक और प्रौद्योगिकी संबंधी आवश्यकताओं के अनुसार, रेलवे द्वारा भर्ती एजेन्सियों को मांग पत्र भेजकर भरा जाता है।

रेलवे भर्ती बोर्ड की परीक्षाएं काफी तकनीकी प्रकृति की होती हैं जिनमें बड़े पैमाने पर कर्मियों और संसाधनों को जुटाने तथा जनशक्ति के प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है। रेलवे ने इन सभी चुनौतियों का सामना किया और सभी निर्धारित दिशानिर्देशों का पालन करते हुए पारदर्शी तरीके से भर्ती का सफलतापूर्वक आयोजन किया।

इसके अलावा, प्रणालीगत सुधार के तौर पर, रेल मंत्रालय ने समूह 'ग' पदों की विभिन्न कोटियों में भर्ती के लिए वर्ष 2024 से वार्षिक कैलेंडर प्रकाशित करने की एक प्रणाली शुरू की है। वार्षिक कैलेंडर शुरू होने से अभ्यर्थी निम्नानुसार लाभान्वित हो रहे हैं:

- अभ्यर्थियों के लिए अधिक अवसर;
- प्रतिवर्ष योग्यता प्राप्त करने वालों को अवसर;
- परीक्षाओं की निश्चितता;
- भर्ती प्रक्रिया, प्रशिक्षण और नियुक्तियों में तेज़ी।

वर्तमान में, भारतीय रेल में 2024, 2025 और 2026 के वार्षिक कैलेंडर के अनुसार, अराजपत्रित कार्मिकों की 1,61,889 रिक्तियों की भर्ती शुरू की गई।

सहायक लोको पायलटों (एएलपी), तकनीशियनों, रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) में उप-निरीक्षक और कांस्टेबल, जूनियर इंजीनियर (जेई)/डिपो सामग्री अधीक्षक (डीएमएस)/रसायन एवं धातुकर्म सहायक (सीएमए), पैरामेडिकल कोटियों, गैर-तकनीकी लोकप्रिय कोटियों (स्नातक), गैर-तकनीकी लोकप्रिय कोटियों (स्नातक पूर्व), अनुसचिवीय एवं पृथक कोटियों और लेवल-1 कोटियों जैसे सहायक, रेलपथ अनुरक्षक और पॉइंट्समैन के पदों को भरने के लिए जनवरी से दिसम्बर, 2024 के दौरान 92,116 रिक्तियों के लिए दस केंद्रीकृत रोजगार अधिसूचनाएं (सीईएन) अधिसूचित की गई हैं।

92,116 पदों के लिए प्रथम/एकल चरण की कंप्यूटर आधारित परीक्षाएं (सीबीटी) पूरी की जा चुकी हैं। ब्यौरा निम्नानुसार है-

परीक्षा	अभ्यर्थी	शहर	भाषाएं
सहायक लोको पायलट के पद (18,799 रिक्तियां) हेतु प्रथम चरण सीबीटी	18,40,347	156	15
तकनीशियन के पद (14,298 रिक्तियां) हेतु सीबीटी	26,99,892	139	15
जेई/डीएमएस/सीएमए के पद (7,951 रिक्तियां) हेतु प्रथम चरण सीबीटी	11,01,266	146	15
रे.सु.ब.-एस.आई के पद (452 रिक्तियां) हेतु सीबीटी	15,35,635	143	15
रे.सु.ब-कांस्टेबल के पद (4,208 रिक्तियां) हेतु सीबीटी	45,30,288	147	15
पैरामेडिकल कोटियों (1,376 रिक्तियां) हेतु सीबीटी	7,08,321	143	15
गैर-तकनीकी लोकप्रिय कोटियां (स्नातक) (8,113 रिक्तियां) हेतु प्रथम चरण सीबीटी	58,41,774	141	15
गैर-तकनीकी लोकप्रिय कोटियां (स्नातक पूर्व) (3,445 रिक्तियां) हेतु प्रथम चरण सीबीटी	63,27,473	157	15
अनुसचिवीय एवं पृथक कोटियों (1,036 रिक्तियां) हेतु सीबीटी	4,46,013	139	15
लेवल-1 के पदों (32,438 रिक्तियां) हेतु सीबीटी	1,08,28,261	152	15
कुल अभ्यर्थी	3,58,59,270		

सहायक लोको पायलट, जेई/डीएमएस/सीएमए और गैर-तकनीकी लोकप्रिय कोटियों (स्नातक एवं स्नातक पूर्व) के पदों के लिए द्वितीय चरण की सीबीटी भी पूरी कर ली गई है। ब्यौरा निम्नानुसार है:-

परीक्षा	अभ्यर्थी	शहर	भाषाएं
सहायक लोको पायलट के पद (18,799 रिक्तियां) हेतु द्वितीय चरण सीबीटी	2,66,363	112	15
जेई/डीएमएस/सीएमए के पद (7,951 रिक्तियां) हेतु द्वितीय चरण सीबीटी	1,17,339	118	15
गैर-तकनीकी लोकप्रिय कोटियों (स्नातक) (8113 रिक्तियां) हेतु द्वितीय चरण सीबीटी	1,21,931	129	15
गैर-तकनीकी लोकप्रिय कोटियों (स्नातक पूर्व) (3,445 रिक्तियों) हेतु द्वितीय चरण सीबीटी	51,978	79	15
कुल अभ्यर्थी	5,57,611		

सहायक लोको पायलट (एएलपी) और गैर-तकनीकी लोकप्रिय कोटियां (स्नातक) के पदों के लिए कंप्यूटर आधारित अभिक्षमता परीक्षा (सीबीएटी) तथा गैर-तकनीकी लोकप्रिय कोटियां (स्नातक और स्नातक पूर्व), अनुसचिवीय और पृथक कोटियों के लिए कंप्यूटर आधारित कुशलता परीक्षा भी पूरी कर ली गई है। ब्यौरा निम्नानुसार है:-

परीक्षा	अभ्यर्थी	शहर	भाषाएं
सहायक लोको पायलट के पद हेतु सीबीएटी	1,32,044	84	2
अनुसचिवीय और पृथक कोटियों के लिए अनुवाद परीक्षा	1,233	8	2
गैर-तकनीकी लोकप्रिय कोटियों (स्नातक) के पदों के लिए सीबीएटी	13,616	38	2
गैर-तकनीकी लोकप्रिय कोटियों (स्नातक) के पदों के लिए कंप्यूटर आधारित टंकण कुशलता परीक्षा (सीबीटीएसटी)	30,341	58	2
गैर-तकनीकी लोकप्रिय कोटियों (स्नातक पूर्व) के पदों के लिए कंप्यूटर आधारित टंकण कुशलता परीक्षा (सीबीटीएसटी)	13,145	44	2
कुल अभ्यर्थी	1,90,379		

2026-2027 के दौरान (30.06.2026 तक) 3,300 से अधिक अभ्यर्थियों के लिए पैनल, जिसमें तकनीशियन, जूनियर इंजीनियर, पैरा मेडिकल कोटियों, अनुसचिवीय एवं पृथक कोटियों और

सहायक लोक पायलट के पद शामिल हैं, को अंतिम रूप दिया गया है। इनमें से अधिकांश संरक्षा कोटियां हैं।

इसके अतिरिक्त, वर्ष 2025 के वार्षिक कैलेंडर के अनुसार, 51,970 रिक्तियों के लिए निम्नलिखित नौ केंद्रीकृत रोजगार अधिसूचनाएँ भी जारी की गई हैं: ब्यौरा निम्नानुसार है:-

केंद्रीकृत रोजगार अधिसूचना संख्या	पद का नाम	अधिसूचित रिक्तियों की संख्या	अधिसूचना जारी करने का माह
01/2025	सहायक लोको पायलट	10,970	मार्च, 2025
02/2025	तकनीशियन	6,238	जून, 2025
03/2025	पैरा मेडिकल कोटियाँ	434	जुलाई, 2025
04/2025	सेक्शन कंट्रोलर	368	अगस्त, 2025
05/2025	जूनियर इंजीनियर/डिपो सामग्री अधीक्षक/रसायन एवं धातुकर्म सहायक	2,585	अक्टूबर, 2025
06/2025	गैर-तकनीकी लोकप्रिय कोटियां (स्नातक)	5,810	अक्टूबर, 2025
07/2025	गैर-तकनीकी लोकप्रिय कोटियां (स्नातक पूर्व)	3,058	अक्टूबर, 2025
08/2025	पृथक कोटियां	312	दिसंबर, 2025
09/2025	लेवल-1 पद	22,195	दिसंबर 2025
कुल		51,970	

29,775 पदों के लिए प्रथम/एकल चरण कंप्यूटर आधारित परीक्षा (सीबीटी) पूरी हो चुकी है। ब्यौरा निम्नानुसार है:-

परीक्षा	अभ्यर्थी	शहर	भाषाएं
सेक्शन कंट्रोलर के पद (368 रिक्तियां) हेतु सीबीटी	4,33,748	131	15
सहायक लोको पायलट के पद (10,970 रिक्तियां) हेतु प्रथम चरण सीबीटी	10,03,719	141	15
जे.ई./डीएमएस/सीएमए के पद (2,585 रिक्तियां) हेतु प्रथम चरण सीबीटी	5,74,351	133	15

तकनीशियन के पद (6238 रिक्तियां) हेतु सीबीटी	8,41,525	117	15
पैरामेडिकल कोटियों (434 रिक्तियां) हेतु सीबीटी	3,19,396	106	15
गैर-तकनीकी लोकप्रिय कोटियों (स्नातक) (5,810 रिक्तियाँ) के लिए प्रथम चरण सीबीटी	25,89,851	142	15
गैर-तकनीकी लोकप्रिय कोटियों (स्नातक पूर्व) (3,058 रिक्तियाँ) के लिए प्रथम चरण सीबीटी	32,95,980	142	15
पृथक कोटियों (312 रिक्तियां) के लिए सीबीटी	37,774	34	15
कुल अभ्यर्थी	90,96,344		

जेई/डीएमएस/सीएमए और गैर-तकनीकी लोकप्रिय कोटियों (स्नातक) के पदों के लिए द्वितीय चरण की सीबीटी भी पूरी की गई है। ब्यौरा निम्नानुसार है:-

परीक्षा	अभ्यर्थी	शहर	भाषाएं
जेई/डीएमएस/सीएमए के पदों (2,585 रिक्तियाँ) हेतु द्वितीय चरण सीबीटी	39,034	90	15
गैर-तकनीकी लोकप्रिय कोटियों (स्नातक) (5,810 रिक्तियाँ) हेतु द्वितीय चरण सीबीटी	87,317	98	15
कुल अभ्यर्थी	1,26,351		

सेक्शन कंट्रोलर के पदों के लिए कंप्यूटर आधारित अभिक्षमता परीक्षा (सीबीएटी) भी पूरी हो चुकी है। ब्यौरा निम्नानुसार है:

परीक्षा	अभ्यर्थी	शहर	भाषाएँ
सेक्शन कंट्रोलर के पदों (368 रिक्तियाँ) के लिए (सीबीटी)	2,989	24	2

इसके अलावा, वर्ष 2026 के वार्षिक कलेंडर के अनुसार, 17,803 रिक्तियों के लिए तीन केंद्रीकृत रोजगार अधिसूचनाएं (सीईएन) जारी की गई है। ब्यौरा निम्नानुसार है:

केंद्रीकृत रोजगार अधिसूचना संख्या	पद का नाम	अधिसूचित रिक्तियों की संख्या	अधिसूचना जारी करने का माह
01/2026	सहायक लोको पायलट	11,127	मार्च, 2026
02/2026	तकनीशियन	6,557	मई, 2026
03/2026	सेक्शन कंट्रोलर	119	जून, 2026

नवीकरणीय ऊर्जा सुविधाएं:

रेलवे स्टेशनों पर मानदंडों/नीति दिशानिर्देशों के अनुसार पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था की जाती है। इसके अलावा, रेलवे स्टेशनों पर मौजूदा नीति के अनुसार तकनीकी-आर्थिक व्यवहार्यता और स्टेशनों की पारस्परिक प्राथमिकता के आधार पर एस्केलेटर और लिफ्टें मुहैया कराई जाती हैं। भारतीय रेल में अभी तक 443 रेलवे स्टेशनों पर 1,794 एस्केलेटर और 791 रेलवे स्टेशनों पर 2,159 लिफ्टें मुहैया कराई गई हैं।

जून 2026 की स्थिति के अनुसार, भारतीय रेल में लगभग 1,161 मेगावाट सौर ऊर्जा और लगभग 103 मेगावाट विंग विद्युत संयंत्र संस्थापित किए गए हैं।

डिजिटल सूचना प्रणाली:

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत, भारतीय रेल के स्टेशनों पर कोच दिशानिर्देश प्रणाली (सीजीएस), इलेक्ट्रॉनिक गाड़ी संकेतन बोर्ड (टीआईबी) और जन उद्घोषणा (पीए) प्रणाली सहित कई यात्री सुविधाएं मुहैया कराने की योजना बनाई गई है।

रेल परियोजनाएं:

रेल परियोजनाओं का सर्वेक्षण/मंजूरी/निष्पादन क्षेत्रीय रेल-वार किया जाता है, न कि राज्य-वार/जिला-वार, क्योंकि रेल परियोजनाएं राज्य/जिलों की सीमाओं के आर-पार फैली हो सकती हैं।

बिहार

रेल बजट:

पिछले पांच वर्षों में बजट आवंटन में पर्याप्त वृद्धि हुई है। बिहार राज्य में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाली अवसंरचना संबंधी परियोजनाओं कार्यों के लिए बजट आवंटन निम्नानुसार है:

अवधि	परिव्यय
2009-14	1,132 करोड़ रुपए प्रति वर्ष
2026-27	10,379 करोड़ रुपए (9 गुना से अधिक)

रेलपथ निर्माण

बिहार राज्य में पूर्णतः/अंशत: पड़ने वाले नए रेलपथ की कमीशनिंग/बिछाने के कार्यों का ब्यौरा निम्नानुसार हैं:

अवधि	कमीशन किए गए नए रेलपथ	नए रेलपथों की औसत कमीशनिंग
2009-14	318 कि.मी.	63.6 कि.मी. प्रति वर्ष
2014-26	2,034 कि.मी.	169.5 कि.मी. प्रति वर्ष (2.5 गुना से अधिक)

स्वीकृत परियोजनाएं:

दिनांक 01.04.2026 की स्थिति के अनुसार, बिहार राज्य में पूर्णतः/अंशत: पड़ने वाली 96,651 करोड़ रुपए की लागत से 5,067 किलोमीटर कुल लंबाई की 59 परियोजनाओं (32 नई लाइन, 01 आमान परिवर्तन और 26 दोहरीकरण) को स्वीकृत किया गया है। इसका सार निम्नानुसार है:-

कोटि	स्वीकृत परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (कि.मी. में)	मार्च, 2026 तक कमीशन की गई लंबाई (कि.मी. में)	मार्च, 2026 तक व्यय (करोड़ रु. में)
नई लाइन	32	2,616	533	14,806
आमान परिवर्तन	1	69	52	544
दोहरीकरण/मल्टीट्रैकिंग	26	2,382	465	14,509
कुल	59	5,067	1,050	29,860

हाल ही में पूरी की गई परियोजनाएं:

बिहार में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली तथा हाल ही में पूरी की गई कुछ परियोजनाओं का ब्यौरा निम्नानुसार है:

क्र.सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रु. में)
1	पटना ब्रिज (28 कि.मी.)	3,310
2	मुंगेर रेल सह सड़क पुल (15 कि.मी.)	3,040
3	कोसी पुल (22 कि.मी.)	863
4	दनियावां-बिहारशरीफ नई लाइन (38 कि.मी.)	354
5	चांदन -बांका नई लाइन (40 कि.मी.)	496
6	रामपुरहाट-मंदारहिल नई लाइन (130 कि.मी.)	908
7	महाराजगंज-मसरख नई लाइन (35 कि.मी.)	412
8	राजगीर-तिलैया और नटेसर-इस्लामपुर नई लाइन (67 कि.मी.)	726
9	जयनगर-नरकटियागंज आमान परिवर्तन (260 कि.मी.)	967
10	कप्तानगंज-छपरा आमान परिवर्तन (234 कि.मी.)	819
11	सकरी-निर्मली, सहरसा-फारबिसगंज गेज परिवर्तन (206 कि.मी.)	2,113
12	मानसी-सहरसा, सहरसा-पूर्णिया, बनमखी - बिहारीगंज आमान परिवर्तन (169 कि.मी.)	752
13	साहिबगंज-पीरपैंती दोहरीकरण (23 कि.मी.)	129
14	महेशकुंट-थानाबिहपुर दोहरीकरण (32 कि.मी.)	115
15	हाजीपुर-रामदयालु नगर दोहरीकरण (48 कि.मी.)	367
16	पीरपैंती -भागलपुर दोहरीकरण (51 कि.मी.)	493

17	किऊल -गया दोहरीकरण (124 कि.मी.)	2,462
18	हाजीपुर-बछवाड़ा दोहरीकरण (72 कि.मी.)	930
19	अररिया-गलगलिया (ठाकुरगंज) नई लाइन (110 कि.मी.)	2,132
20	समस्तीपुर-दरभंगा दोहरीकरण (38 कि.मी.)	874

चालू परियोजनाएं:

बिहार राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली कुछ परियोजनाएं जो शुरु की गई हैं, निम्नानुसार हैं:-

क्र.सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रु. में)
1	सकरी - हसनपुर नई लाइन (76 कि.मी.)	802
2	फतुहा - इस्लामपुर नई लाइन (167 कि.मी.)	3,158
3	कोडरमा - तिलैया नई लाइन (65 कि.मी.)	2,287
4	हाजीपुर - सगौली नई लाइन (151 कि.मी.)	2,820
5	अररिया - सुपौल नई लाइन (96 कि.मी.)	2,170
6	कुर्सेला - बिहारीगंज नई लाइन (58 कि.मी.)	194
7	पीरपैंती - जसीडीह नई लाइन (97 कि.मी.)	2,700
8	छितौनी - तुमकुही रोड नई लाइन (59 कि.मी.)	1,881
9	जलालगढ़ - किशनगंज नई लाइन (51 कि.मी.)	407
10	सीतामढ़ी - निर्मली नई लाइन (189 कि.मी.)	2,833
11	बिहटा - औरंगाबाद नई लाइन (120 कि.मी.)	3,606
12	गया - चतरा और गया - नटेसर नई लाइन (135 कि.मी.)	4,543
13	सुल्तानगंज - कटुरिया नई लाइन (77 कि.मी.)	291
14	जयनगर - बिजलपुरा गेज परिवर्तन (69 कि.मी.)	900
15	धनबाद - सोननगर तीसरी लाइन (291 कि.मी.)	7,906

16	सगौली - वाल्मीकिनगर दोहरीकरण (110 कि.मी.)	1,456
17	मुजफ्फरपुर - सुगौली दोहरीकरण (101 कि.मी.)	1,745
18	बरौनी - बछवाड़ा तीसरी और चौथी लाइन (32 कि.मी.)	486
19	नरकटियागंज - दरभंगा, सीतामढ़ी - मुजफ्फरपुर दोहरीकरण (256 कि.मी.)	4,080
20	छपरा-बलिया कहीं-कहीं दोहरीकरण (65 कि.मी.)	1,046
21	कटिहार - कुमेदपुर और कटिहार - मुकुरिया दोहरीकरण (65 कि.मी.)	943
22	सोन नगर - अंडाल मल्टीट्रैकिंग (749 कि.मी.)	12,334
23	पुनारख - बख्तियारपुर नई चौथी लाइन और बाकी तीसरी लाइन (28 कि.मी.)	422
24	अलुआबाड़ी रोड - ठाकुरगंज दोहरीकरण (20 कि.मी.)	327
25	भागलपुर - जमालपुर तीसरी लाइन (53 कि.मी.)	1,156
26	भागलपुर - दुमका - रामपुरहाट दोहरीकरण (177 कि.मी.)	3,169
27	बख्तियारपुर - राजगीर - तिलैया दोहरीकरण (104 कि.मी.)	2,192
28	बख्तियारपुर - फतुहा तीसरी और चौथी लाइन (24 कि.मी.)	931
29	पुनारख-किऊल तीसरी और चौथी लाइन (50 कि.मी.)	2,668
30	किउल - झाझा तीसरी लाइन (54 कि.मी.)	962
31	मानसी - सहरसा दोहरीकरण (44 कि.मी.)	499

रेल परियोजनाओं का क्षेत्रीय रेलवे-वार ब्यौरा भारतीय रेल की वेबसाइट पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराया गया है।

<u>झारखंड</u>

रेल बजट:

हाल के वर्षों में बजट आवंटन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। झारखंड राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली अवसरंचना संबंधी परियोजनाओं के लिए बजट आबंटन का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

अवधि	परिव्यय
2009-14	457 करोड़ रुपए प्रति वर्ष
2026-27	7,536 करोड़ रुपए (लगभग 16 गुना)

रेलपथ निर्माण:

झारखंड राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाले नए रेलपथों के निर्माण का ब्यौरा निम्नानुसार है:

अवधि	कमीशन किए गए नए रेलपथ	नये रेलपथों की औसत कमीशनिंग
2009-14	287 कि.मी.	57 कि.मी. प्रति वर्ष
2014-26	1371 कि.मी.	114 कि.मी. प्रति वर्ष (2 गुना)

स्वीकृत की गई परियोजनाएं:

01.04.2026 की स्थिति के अनुसार, झारखंड राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली 60,064 करोड़ रुपए पर 2,887 किलोमीटर कुल लंबाई वाली 36 परियोजनाओं (10 नई लाइन और 26 दोहरीकरण), को स्वीकृत किया गया है। ब्यौरा निम्नानुसार है:

कोटि	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (कि.मी. में)	मार्च, 2026 तक कमीशन की गई लंबाई (कि.मी. में)	मार्च, 2026 तक कुल व्यय (करोड़ रु. में)
नई लाइन	10	753	156	4,853
दोहरीकरण/बहुपथन	26	2,133	458	13,558
कुल	36	2,887	615	18,411

हाल ही में पूरी की गई परियोजनाएं:

झारखंड राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली तथा हाल ही में पूरी की गई कुछ परियोजनाओं का ब्यौरा निम्नानुसार है:

क्र.सं.	परियोजना का नाम	लागत (करोड़ रुपए में)
1	मंदारहिल-रामपुरहाट नई लाइन (130 कि.मी.)	908
2	गिरिडीह-कोडरमा नई लाइन (111 कि.मी.)	404
3	कोडरमा-राँची नई लाइन (202 कि.मी.)	3,800
4	राँची-लोहरदगा आमान परिवर्तन (111 कि.मी.)	665
5	साहिबगंज-पीरपैंती दोहरीकरण (23 कि.मी.)	129
6	तीनपहाड़-साहिबगंज दोहरीकरण (38 कि.मी.)	246
7	सीनी-आदित्यपुर दोहरीकरण (23 कि.मी.)	215
8	गोइलकेरा-मनोहरपुर दोहरीकरण (28 कि.मी.)	425
9	डांगोवापोसी-राजखरसावां तीसरी लाइन (75 कि.मी.)	629
10	दनिया-राँची रोड कि.मी. (25 कि.मी.)	324
11	चक्रधरपुर - गोइलकेरा तीसरी लाइन (34 कि.मी.)	383
12	गढ़वा रोड - रमना कि.मी. (32 कि.मी.)	427
13	मनोहरपुर-बोन्डामुन्डा तीसरी लाइन (30 कि.मी.)	359
14	जरंगडीह- दनिया कहीं-कहीं दोहरीकरण (29 कि.मी.)	500
15	राँची रोड - पतरातू दोहरीकरण (31 कि.मी.)	348
16	तालगड़िया-बोकारो दोहरीकरण (38 कि.मी.)	514
17	रमना-सिंगरौली दोहरीकरण (160 कि.मी.)	2,436

चालू परियोजनाएं:

झारखंड राज्य में पूर्णतः/अंशत: पड़ने वाली कुछ परियोजनाएँ जिन्हें शुरू किया गया है, का ब्यौरा निम्नानुसार है:

क्र.सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रुपए में)
1	कोडरमा-तिलैया नई लाइन (62 कि.मी.)	2,287
2	बुढ़ामरा-चाकुलिया नई लाइन (60 कि.मी.)	1,459
3	धनबाद-सोननगर तीसरी लाइन (291 कि.मी.)	7,906
4	बोन्डामुन्डा-राँची दोहरीकरण (159 कि.मी.)	3,029
5	खड़गपुर -आदित्यपुर तीसरी लाइन (132 कि.मी.)	3,450
6	चाण्डिल- बर्नपुर तीसरी लाइन (121 कि.मी.)	1,932
7	कोडरमा -बरकाकाना दोहरीकरण (133 कि.मी.)	2,887
8	भागलपुर-रामपुरहाट दोहरीकरण (177 कि.मी.)	3,169
9	गम्हरिया- चाण्डिल तीसरी और चौथी लाइन (26 कि.मी.)	1,168
10	बरबेंदा-डामरुघुटू दोहरीकरण (52 कि.मी.)	815
11	डांगोवापोसी-जरोली तीसरी और चौथी लाइन (43 कि.मी.)	1,638

रेल परियोजनाओं का क्षेत्रीय रेलवे-वार ब्यौरा भारतीय रेल की वेबसाइट पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराया गया है।

<u>छत्तीसगढ़</u>

रेल बजट:

हाल ही के वर्षों में बजट आबंटन में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है। छत्तीसगढ़ राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों के लिए बजट आबंटन निम्नानुसार है:

अवधि	परिव्यय
2009-2014	311 करोड़ रु. प्रति वर्ष
2026-2027	7,470 करोड़ रु. (लगभग 24 गुना)

रेलपथ निर्माण:

छत्तीसगढ़ राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाले नए रेलपथों की कमीशनिंग/बिछाने का ब्यौरा निम्नानुसार है:

अवधि	कमीशन किए गए नए रेलपथ	नए रेलपथों की औसत कमिशनिंग
2009-14	32 कि.मी.	6.4 कि.मी. प्रति वर्ष
2014-26	1,311 कि.मी.	109.29 कि.मी. प्रति वर्ष (17 गुना)

स्वीकृत की गई परियोजनाएं:

दिनांक 01.04.2026 की स्थिति के अनुसार, छत्तीसगढ़ राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली 48,202 करोड़ रुपए लागत की 2,398 कि.मी. कुल लंबाई की 36 परियोजनाएं (8 नई लाइन और 28 दोहरीकरण) स्वीकृत की गई हैं। इस कार्य की स्थिति का सार निम्नानुसार है:-

कोटि	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (कि.मी. में)	मार्च, 2026 तक कमीशन की गई लंबाई (कि.मी. में)	मार्च, 2026 तक किया गया कुल व्यय (करोड़ रुपए में)
नई लाइन	8	887	262	7,535
दोहरीकरण	28	1,512	889	11,298
कुल	36	2,398	1,151	18,833

हाल ही में पूरी की गई परियोजनाएं:

छत्तीसगढ़ राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली हाल ही में पूरी की गई कुछ परियोजनाओं का ब्यौरा निम्नानुसार है:

क्र.सं.	परियोजना का नाम	लागत (करोड़ रु. में)
1	खरसिया-कोरिछापर नई लाइन (43 कि.मी.)	851
2	बिलासपुर-उरकुरा तीसरी लाइन (110 कि.मी.)	365

3	सलका रोड-खोंगसरा दोहरीकरण (26 कि.मी.)	181
4	दुर्ग-राजनांदगांव दोहरीकरण (31 कि.मी.)	250
5	बिलासपुर में फ्लाईओवर सहित खोदरी-अनूपपुर दोहरीकरण (72 कि.मी.)	792
6	चंपा-झारसुगुड़ा तीसरी लाइन (152 कि.मी.)	1,227
7	पेंड्रा रोड-अनूपपुर तीसरी लाइन (50 कि.मी.)	394
8	रायपुर - टिटलागढ़ दोहरीकरण (203 कि.मी.)	1,171
9	दल्लीराझरा-रोघाट (95 कि.मी.)	1,628

चालू परियोजनाएं:

छत्तीसगढ़ में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली प्रमुख परियोजनाएँ, जो शुरू की गई हैं, वे इस प्रकार हैं:

क्र.सं.	परियोजना का नाम	लागत (करोड़ रु. में)
1	खरसिया-धरमजयगढ़ नई लाइन (122 किलोमीटर)	3,407
2	गेवरा रोड-पेंड्रा रोड नई लाइन (135 किलोमीटर)	3,724
3	धरमजयगढ़-कोरबा नई लाइन (63 किलोमीटर)	1,686
4	चिरमिरि-नागपुर हॉल्ट नई लाइन (17 किलोमीटर)	670
5	सरडेगा-भालुमुंडा नई लाइन (37 किलोमीटर)	1,282
6	खरसिया-परमालकसा 5वीं और 6वीं लाइन (278 किलोमीटर)	7,854

7	रावघाट-जगदलपुर नई लाइन (140 किलोमीटर)	3,513
8	किरंदुल-जदगलपुर दोहरीकरण (150 किलोमीटर)	1,780
9	जगदलपुर-कोरापुट दोहरीकरण (107 किलोमीटर)	1,547
10	झारसुगुड़ा-बिलासपुर -चौथी लाइन (206 किलोमीटर)	2,596
11	गेवरा रोड-पेंड्रा रोड नई लाइन (135 किलोमीटर)	3,475
12	राजनांदगांव-नागपुर तीसरी लाइन (228 किलोमीटर)	3,545
13	रायपुर-धमतरी और अभनपुर-राजिम आमान परिवर्तन (67.20 किलोमीटर)	3,250
14	बोरीडांड-अम्बिकापुर दोहरीकरण (80 किलोमीटर)	1,577
15	दुर्ग-राजनांदगांव के बीच चौथी लाइन (31 किमी)	464
16	गोंदिया-डोंगरगढ़ चौथी लाइन (84 किलोमीटर)	2,223
17	बैकुंठ- उरकुरा चौथी लाइन (26 किलोमीटर)	426
18	चंपा-कोरबा तीसरी लाइन (42 किलोमीटर)	755

रेल परियोजनाओं का क्षेत्रीय रेलवे-वार विवरण भारतीय रेलवे की वेबसाइट पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराया गया है।

दिल्ली

रेल बजट:

केंद्र शासित प्रदेश दिल्ली में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली अवसंरचना संबंधी परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों के लिए बजट आवंटन निम्नानुसार है:

अवधि	परिव्यय
2009-14	96 करोड़ रु. प्रति वर्ष
2026-27	2,711 करोड़ रु. (28 गुना से अधिक)

स्वीकृत की गईं परियोजनाएं:

दिनांक 01.04.2026 की स्थिति के अनुसार, 7,219 करोड़ रुपये की लागत से कुल लंबाई 224 कि.मी. की 04 परियोजनाओं (दोहरीकरण) को मंजूरी दी गई है, जो पूर्णतः/अंशतः केंद्र शासित प्रदेश दिल्ली में पड़ती हैं। इसका सारांश निम्नानुसार है:-

कोटि	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई	कमीशन की गई लंबाई	मार्च 2026 तक किया गया व्यय (करोड़ रु. में)
दोहरीकरण/बहुपथन	04	224 कि.मी.	04 कि.मी.	481

हाल ही में पूरी की गई परियोजनाएं

केंद्र शासित प्रदेश दिल्ली में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली हाल ही में पूरी की गई कुछ परियोजनाओं का ब्यौरा निम्नानुसार है:

क्र.सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रु. में)
1	नई दिल्ली से तिलक ब्रिज तक दोहरीकरण (7 कि.मी.)	137
2	तुगलकाबाद-पलवल चौथी लाइन (34 कि.मी.)	366

चालू परियोजनाएं:

केंद्र शासित प्रदेश दिल्ली में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली कुछ परियोजनाएं जो शुरु की गई हैं, का ब्यौरा निम्नानुसार है:

क्र.सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रु. में)
1	दिल्ली - अंबाला कैंट तीसरी और चौथी लाइन (194 कि.मी.)	5983
2	दिल्ली किशनगंज-शकूरबस्ती तीसरी लाइन (07 कि.मी.)	156
3	आनंद विहार-तिलक ब्रिज तीसरी और चौथी लाइन (20 कि.मी.)	667

रेल परियोजनाओं का क्षेत्रीय रेल-वार ब्यौरा भारतीय रेल की वेबसाइट पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराया गया है।

किसी भी रेल परियोजना/ओं का पूरा होना विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:-

- राज्य सरकार द्वारा भूमि अधिग्रहण
- वन संबंधी स्वीकृति
- अतिलंघनकारी सुविधाओं का स्थानांतरण
- विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियां
- क्षेत्र की भूवैज्ञानिक और स्थलाकृतिक स्थितियां
- परियोजना स्थल के क्षेत्र में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति
- परियोजना स्थल विशेष के लिए वर्ष में कार्य करने के महीनों की संख्या आदि

ये सभी कारक परियोजना/ओं के समापन समय और लागत को प्रभावित करते हैं।

****